REPORT ON HAR GHAR SURYA NAMASKAR CAMPAIGN

The *"Har Ghar Surya Namaskar"* campaign was successfully organized under the guidance of Principal **Dr. Rishipal**. The event was supervised by **Dr. Pushpa**, Coordinator of the Higher Education Department and Swami Vivekananda Youth Cell.

Dr. Pushpa informed that the Directorate of Higher Education, Panchkula, has scheduled the Swami Vivekananda Jayanti celebrations from **January 12, 2025, to February 12, 2025**, culminating on Maharishi Dayanand Saraswati Jayanti. During this period, Surya Namaskar and Yoga activities were conducted to connect every household and student with the initiative. The campaign aims at holistic development of students and the promotion of ancient Indian culture, where Surya Namaskar and Yoga play a vital role in fostering purity, discipline, and mental well-being.

.

युवाओं को राष्ट्र निर्माण में बढ़-चढ़कर लेना चाहिए भाग, हर सामाजिक बुराई का डट कर करें विरोध : डॉ ऋषिपाल

निसिंग, 12 फरवरी (जोगिंद्र सिंह) : बाबू अनंत राम जनता महाविद्यालय के प्रांगण में प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल के मार्गदर्शन में उच्चतर शिक्षा निदेशालय के निर्देशानुसार इतिहास विभाग एवं स्वामी विवेकानंद युवा प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ.पुष्पा की देखरेख में हर घर सूर्य नमस्कार अभियान को सुचारू रूप से चलाया गया। डॉ. पुष्पा ने बताया कि उच्चतर शिक्षा निदेशालय पंचकूला द्वारा स्वामी विवेकानंद जयंती 12 जनवरी से लेकर स्वामी महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती 12 फरवरी तक हर घर सूर्य नमस्कार एवं योग अभियान चलाया गया। जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार एवं योग का अभ्यास करवाया गया और सभी का ऑनलाइन पंजीकरण करवा कर उन्हें सूर्य नमस्कार अभियान से जोड़ा गया है। इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य हर विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास करना एवं हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति का प्रचार प्रसार करना है। जिसमें सूर्य नमस्कार एवं योग को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। क्योंकि इसके करने से हमारे विकार नष्ट हो जाते हैं व हमारा मन शुद्ध हो जाता है। साथी ही, हमारे विचारों में शुद्धता एवं विनम्रता विकसित होती हैं। डॉ. पुष्पा ने सभी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि

ब्रिटिश काल में आर्य समाज ने भारत में राष्ट्रवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आर्य समाज का देश की आजादी में बहुमूल्य योगदान है। इस पाखंडवाद और अंधविश्वास के खिलाफ संघर्ष अपने आप में एक अविचलित वैचारिक क्रांति हैं। आर्य समाज ने शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया है। अनेक सामाजिक- धार्मिक कुरीतियों का विरोध किया है। प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने सभी विद्यार्थियों को हर घर सूर्य नमस्कार अभियान को संपूर्ण करने एवं महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती की बधाई एवं शुभकामनाएं दी और सभी विद्यार्थियों से आह्वान किया कि जिस तरह स्वामी दयानंद सरस्वती ने ब्रिटिश काल में समाज में फैली सभी बुराइयों का विरोध किया, शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाकर महिलाओं का सशक्तिकरण किया, ठीक उसी प्रकार आज के युवाओं को भी राष्ट्र के निर्माण में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए और हर सामाजिक बुराई का डट कर विरोध करना चाहिए। तभी हमारा समाज, हमारा राष्ट्र एक विकसित राष्ट्र बनेगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने सभी को शुभकामनाएं दी।